केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करे।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	(अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	(अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

3524003

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

परीक्षक के ह

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 2 के अंक = कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

UCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

{प्रश्नोत्तर क्रमांक [1]}

[1] (स) दो ।

[2] (ब) अर्थालंकार ।

[3] (अ) भगत जी ।

[4] (स) मराठी ।

[5] (ब) भी ।

[6] (अ) 1556 ।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

{प्रश्नोत्तर क्रमांक [2]}

[1] भार ।

[2] व्यतिरेक अलंकार ।

[3] जैनेन्द्र कुमार ।

[4] तीन ।

[5] पाठशाला ।

[6] वेब दुनिया ।

BSE

योग पूर्व पृष्ठ

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

{प्रश्नोत्तर क्रमाँक [3]}

[1] सत्य ।

[2] सत्य ।

[3] असत्य ।

[4] असत्य ।

[5] सत्य ।

[6] सत्य ।

B S E

प्रश्न क्र.

{प्रश्नोत्तर क्रमांक (5)}

	'क'		'ख'
[1]	प्रगतिवाद	—	(स) 1936
[2]	यशोधरा	—	(द) खण्डकाव्य
[3]	कथानक	—	(ब) कहानी
[4]	संस्कृत के मूल शब्द	—	(अ) तत्सम
[5]	यशोधर बाबू	—	(क) सिल्वर वैडिंग
[6]	अंतरंग साक्षात्कार	—	(इ) डायरी
[7]	हरिवंशराय बच्चन	—	(ई) हालावाद

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

{प्रश्नोत्तर संख्या [5]}

[I] शांत रस का स्थाई भाव निर्वेद है ।

[II] आलोक धन्वा का एकमात्र संग्रह है दुनिया रोज बनती है ।

B

[III] पहलवान लुट्टन सिंह के दो पुत्र थे ।

S

E

[IV] 'बाल-बाल बचना' मुहावरे का अर्थ है जरा सा ही बचना ।

[V] सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर मुअनजो-दड़ो था ।

[VI] आम तौर पर रेडियो नाटक की अवधि 15 मिनट से 30 मिनट तक होती है ।

[VII] सूरज का सातवां घोड़ा धर्मवीर भारती की रचना है ।

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 7 के अंक | कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

{प्रश्नोत्तर संख्या [6]}

कविता दिन जल्दी-जल्दी ढलता है में कवि हरिवंशराय बच्चन ने बताया है कि चिड़िया के बच्चे अपने माता पिता के जल्दी घर लौटने की आशा में नीड़ो से झांक रहे हैं उनके माता-पिता भोजन की तलाश मे सुबह जल्दी घोंसले से निकले होंगे ऐसे में भूँख से व्याकुल बच्चे उनकी राह देख रहे होंगे। वे सोचते हैं की वापिस लौटने पर न केवल उनके माता पिता उन्हें भोजन देंगे अपितु ढेर सारा स्नेह भी लुटाएँगे इस प्रकार अपने माता-पिता के सानिध्य की प्रत्याशा मे बच्चे नीड़ो से झाँक रहे होंगे।

{प्रश्नोत्तर संख्या [7]}

डॉ. रामकुमार वर्मा के अनुसार -"आत्मा की छाया परमात्मा मे पड़ने लगे और परमात्मा की छाया आत्मा में "यही छायावाद है।

प्रश्न क्र.

"स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह ही छायावाद है।"

छायावाद की विशेषताएँ :-

प्रकृति चित्रण :- छायावादी कवियों ने प्रकृति का मानवीकरण अपनी कविताओं में किया है।

नारी सौन्दर्य और प्रेम व्यंजना :- छायावादी कवियों की दृष्टि नारी सौन्दर्य मे खूब रमी है। उन्होनें प्रेम की अभिव्यक्ति सुंदर तरीके से की है।

{प्रश्नोत्तर संख्या [8]}

महाकाव्य	रचनाकार
'रामचरितमानस'	गोस्वामी तुलसीदास
'कामायनी'	जयशंकर प्रसाद

BOARDOFSECONDARYEDUCATION.MADHYAPRADESH.BHOPAL

प्रश्न क्र.

{प्रश्नोत्तर संख्या-[9]} 'अथवा'

सहृदय के हृदय में स्थित उत्साह नामक स्थायी भाव का विभाव, अनुभाव एवं संचारी भाव से संयोग होता है तो वह वीर रस का रूप ग्रहण कर लेता है।
वीर रस में उत्साह, वीरता, ऊर्जा का संचार होता है।

उदाहरण :- "बुन्देले हरबोलो के मुँह हमने सुनी कहानी थी
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी"।

{प्रश्नोत्तर संख्या-[10]} 'अथवा'

मनुष्यों की क्षमता निम्नलिखित तीन बातों पर निर्भर करती है -

1) शारीरिक वंश परम्परा।
2) सामाजिक उत्तराधिकार।
3) मनुष्य के अपने प्रयत्न।

(10)

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 10 के अंक | कुल अंक

प्रश्न क्र.

{प्रश्नोत्तर संख्या (11)} 'अथवा'

आत्मकथा और जीवनी में अंतर निम्नलिखित हैं-

	आत्मकथा	जीवनी
1)	आत्मकथा में लेखक अपने जीवनवृत को पूरी सच्चाई के साथ पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करता है	जीवनी में लेखक किसी दूसरे के जीवन की जन्म से लेकर मृत्यु तक की सभी घटनाओं का उल्लेख करता है
2)	जीवन आत्मकथा लिखते समय लेखक तटस्थ नहीं रहता और अपने जीवन के प्रसंगों को अपनी स्मरण शक्ति के आधार पर प्रस्तुत करता है	जीवनी लिखते समय लेखक तटस्थ रहता है और अपने विचार या क्रियात्मकता उसमें नहीं डाल सकता।
	उदाहरण - क्या भूलूँ क्या याद करूँ।	उदाहरण - कलम का सिपाही, कलम का जादूगर।

BSE

{प्रश्नोत्तर संख्या [12]} 'अथवा'

राष्ट्रभाषा की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं—

1) राष्ट्रभाषा को संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त होती है।

2) राष्ट्रभाषा देश के बहुसंख्यक लोक लोगो द्वारा बोली जाती है। इसका देश की अन्य भाषाओं से घनिष्ठ संबन्ध होता है।

{प्रश्नोत्तर संख्या [13]} 'अथवा'

~~राम अयोध्या आ जाना।~~

1) बालक रोया और चुप हो गया।

~~ललिता फूलों की एक माला बाजार से लाई।~~

2) शायद मयूर वन में नाचता है।

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

{प्रश्नोत्तर संख्या-[14]}

मुअनजो-दड़ो की नगर नियोजन की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -

1) यह नगर कच्ची-पक्की ईंटों से बनाया गया है और इन्हीं ईंटों से नगर को थोड़ा ऊपर उठाया गया है ताकि सिंधु नदी के प्रभाव से बचा जा सके। सभी घर लगभग एक ही सिधाई पर थे। पूरब में अमीरों की बस्ती थी।

2) यहाँ की सड़कें सीधी तथा आड़ी थी वास्तुकार जिसे 'ग्रीड प्लान' कहते हैं। यहाँ के घरों में खिड़कियाँ नहीं थी और दरवाजे मुख्य सड़क की ओर न खुलकर पीछे की ओर खुलते हैं। यहाँ की सड़कों की चौड़ायी 33 फीट है।

B
S
E
Laser, Inkjet & C

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

{प्रश्नोत्तर संख्या [15]} 'अथवा'

मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य बातें इस प्रकार हैं —

[1] लेखन में भाषा, व्याकरण, वर्तनी पर ध्यान देना चाहिए। जन सामान्य की भाषा पर जोर देना चाहिए।

[11] लेखन और प्रसारण के बीच के समय मो में अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। लेखन में प्रवाह के लिए तारतम्यता होनी चाहिए।
लेखन और आवंटित जगह के अनुशासन का पालन करना चाहिए।

B S E

Copier Label ST-1

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

{प्रश्नोत्तर संख्या [16]}

काव्यगत परिचय

{रघुवीर सहाय}

• **रचनाएँ :-** आत्महत्या के विरुद्ध
हँसो हँसो जल्दी हँसो
सीढ़ियों पर धूप में

• **भावपक्ष :-**

व्यक्तिवादी दृष्टिकोण :- रघुवीर सहाय जन संवेदना के कवि हैं। वे व्यक्तिवाद के समर्थक हैं। लोगों के दुःखों को वह समझते हैं।

व्यंग्य प्रधान रचनाएँ :- रघुवीर सहाय ने अपनी अनेक रचनाओं के माध्यम से आडम्बरपूर्ण लोगों पर व्यंग्य किए हैं।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उदाहरणार्थ – हम समर्थ शक्तिवान – हम दूरदर्शक दूरदर्शन पर बोलेंगे।

आडम्बरो का विरोध :- रघुवीर सहाय ने अपनी रचना 'कैमरे मे बंद अपाहिज' के माध्यम से दूरदर्शन वालों की हीनता पर और उनके स्वार्थी होने का चीत्र प्रस्तुत किया है

• कलापक्ष :-

भाषा :- रघुवीर सहाय की भाषा शुद्ध और सरल है। उन्होंने जनसामान्य की भाषा पर बल दिया है।

शैली :- उन्होने अपनी रचनाओं में भावात्मक शैली का प्रयोग कर जनसाधारण का दुःख व्यक्त किया है। इसके अलावा उन्होने – वर्णात्मक, विवेचनात्मक शैलियों का बखूबी प्रयोग किया है।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

अलंकार योजना :- रघुवीर सहाय ने अनुप्रास अलंकार, प्रश्न अलंकार, उत्प्रेक्षा अलंकारों का बडी ही सुंदर और ~~स्वाभावी~~ स्वभावी प्रयोग किया है।

साहित्य में स्थान :- रघुवीर सहाय नयी कविता के प्रसिद्ध कवि हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं से हिन्दी साहित्य को समृद्ध किया। हिन्दी साहित्य में आपका अद्वितीय स्थान है।

BSE

मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL
BSE

प्रश्न क्र.

{प्रश्नोत्तर संख्या-[17]}

←साहित्यिक परिचय→

[महादेवी वर्मा]

रचनाएँ :- स्मृति की रेखाएँ, नीहार, नीरजा, आपदा, यामा पथ के साथी।

भाषा :- महादेवी वर्मा छायावाद के चार स्तम्भों मे से एक हैं। इनकी भाषा शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली है। इनकी भाषा में देशज, विराज शब्दों का भी प्रयोग हुआ है। अंग्रेजी शब्द जैसे लैक्चर आदि का भी बखूबी प्रयोग हुआ है। इसके अतिरिक्त यथास्थान मुहावरों और लोकोक्तियों का भी प्रयोग दर्शनीय है। संस्कृत की तत्सम शब्दावली के साथ-साथ ~~तद्~~ तद्भव शब्दों का भी प्रयोग हुआ है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

• शैली :-

वर्णात्मक शैली :- तथ्यों को शुद्ध और सरल भाषा में व्यक्त करने के लिए महादेवी वर्मा ने इस शैली का प्रयोग किया।

सूत्रात्मक शैली :- महादेवी वर्मा कम से कम शब्दों में अपनी बात कहने में निपुण थी। उन्होने इस शैली का भी प्रयोग किया है।

भावात्मक शैली :- दीन - हीन तथा गरीब लोगो के प्रति उनकी शैली भावात्मक है।

विवेचनात्मक शैली :- विचार प्रधान रचनाओं में इस शैली का भी प्रयोग हुआ है।

साहित्य मे स्थान :- महादेवी वर्मा को सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला ने हिन्दी के विशाल मंदिर की सरस्वती कहा। महादेवी वर्मा आधुनिक

B S E

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 19 के अंक | कुल अंक

प्रश्न क्र.

युग की 'मीरा' कही जाती हैं। उन्होंने न केवल पद्य अपितु गद्य की अनेक विधाओं में भी सक्रिय रचना की है। आप मीरा व सरस्वती बन हिन्दी साहित्य के नभ मे ध्रुव तारे के समान सदैव चमकती रहेंगी।

www.oddyindia.com

B S E

{प्रश्नोत्तर संख्या - [18]} अथवा

	मुहावरा	लोकोक्ति
[i]	मुहावरा एक वाक्यांश होता है	लोकोक्ति एक संपूर्ण वाक्य होती है।
[ii]	मुहावरा वाक्य में प्रयुक्त होकर ही संपूर्ण अर्थ देता है।	लोकोक्ति का अर्थ बिना वाक्य में प्रयुक्त हुए भी उजागर रहता है।
[iii]	मुहावरा में चमत्कार प्रदर्शन का भाव रहता है।	लोकोक्ति किसी न किसी सत्य को उजागर करती है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उदाहरण - ईद का चाँद अँधे की लाठी आँखे बिछाना	उदाहरण-अधजल गगरी छलकत जाए 2) आम के आम गुठलियों के दाम

{प्रश्नोत्तर संख्या [19]} 'अथवा'

B S E

[i] गद्यांश का शीर्षक - 'शौर्यभाव'

[ii] उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार शौर्य भाव का राष्ट्रीय भावना में एक विशेष स्थान है।

[iii] सुदीर्घ का अर्थ है - बहुत बड़े या बहुत व्यापक।

{प्रश्नोत्तर संख्या (२०)} अथवा

संकेत - प्रात नभ था .... गई हो।

प्र संदर्भ :- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य आरोह भाग-2 के काव्य खण्ड में संकलित ऊषा नाम पाठ से अवतरित है इसके रचयिता शमशेर बहादुर सिंह जी हैं।

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने प्रात: काल के परिवर्तित होते वातावरण का सुंदर चित्रण किया है।

व्याख्या :- कवि भोर नभ की तुलना शंख से करते हुए हुए बताते हैं की प्रात: का नभ नीले शंख के सामान प्रतीत हो रहा है। इसके बाद उसका रंग का चित्र उकेरते हुए बताते हैं की नभ ऐसा लग लग रहा है मनो शख से लीपा हुआ चौका अर्थात वातावरण में नमी फैली है। फिर उसका रंग बदलकर ऐसा हो जाता है जैसे किसी सिल पर लाल केसर को पीसकर उसे धुल दिया हो।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

अर्थात आकाश का रंग लाल हो गया है।

काव्य सौन्दर्य – (1) नीला शंख जैसे – मे उपमा अलंकार है।
(2) कवि ने प्रातः कालीन नभ का सुंदर चित्रण किया है।
(3) शंख - - . चौका - - . गीला मे उत्प्रेक्षा अलंकार है।
(4) बिम्ब का सटीक प्रयोग है।

B
S
E

{प्रश्नोत्तर संख्या [२१]}

संकेत – यह शिरीष - - . मस्त रहते हैं।

संदर्भ :– प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह भाग - 2 में संकलित शिरीष के फूल नाम पाठ से अवतरित है। इसके रचयिता हजारीप्रसाद द्विवेदी हैं।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रसंग :- इस पंक्तियों में लेखक ने शिरीष के ~~फूल~~ वृक्ष की तुलना संन्यासी से की है।

व्याख्या :- हजारी प्रसाद द्विवेदी जी कहते हैं कि यह शिरीष का वृक्ष एक अवधूत यानी संन्यासी की तरह ही सुख और दुःख में समान रूप से फलता फूलता है। जिस प्रकार संन्यासी समान व्यवहार रखता है। उसी प्रकार शिरीष भी ग्रीष्म ऋतु की भीषण गर्मी मे जब लोग उमस से तपने लगते हैं तब भी वह हरा-भरा रहता है और न जाने कहाँ से रस खींचता है और रसवान बना रहता है। हर परिस्थितियो में वह मस्त रहता है जैसे एक अवधूत हमेशा प्रसन्न रहता है।

B
S
E

विशेष - (1) शिरीष को अवधूत बताया गया है।
(2) न ऊधो का लेना, न माधो का लेना जैसे मुहावरे का प्रयोग हुआ है।
(3) शुद्ध, सरल, सहज भाषा है।
(4) शिरीष की तुलना संन्यासी से की गई है।

प्रश्नोत्तर संख्या [22] अथवा

69, महात्मा गाँधी मार्ग
भोपाल [म०प्र०]

दिनांक - 6 फरवरी 2024

प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्ते !

मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा करती हूँ की तुम भी वहाँ सकुशल होगे । तुम्हें यह जानकर हर्ष होगा की मेरे बड़े भाई की शादी दिनांक - 10 फरवरी 2024 को निश्चित हुई है जिसमे तुम्हे और तुम्हारे परिवार को अवश्य आना है । दिनांक से कुछ दिन पहले आना हम साथ में खूब मजे करेंगे । तुम्हारे माता और पिताजी के चरण स्पर्श एवं छोटी को प्यार ।

तुम्हारी अभिन्न मित्र
क ख ग

B S E

कुल अंक

मध्यप्रदेश

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

{प्रश्नोत्तर संख्या (23)}

"प्रदूषण का बढ़ता प्रभाव"

रूप रेखा – (i) प्रस्तावना
(ii) प्रदूषण के प्रकार
(iii) प्रदूषण के समाधान
(iv) उपसंहार

B
S
E

"सांस लेना अब मुश्किल हो गया है
वातावरण इतना प्रदूषित हो गया है"

प्रस्तावना :- हमारे वातावरण में जल, वायु का जब तक नियंत्रित योग रहता है, तब तक पर्यावरण शुद्ध रहता पर इनके योग में जब असंतुलितता आती है तो प्रदूषण की समस्या ~~उप~~ ~~उत्पन्न~~ उत्पन्न होती है। आज के

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

वैज्ञानिक युग में मनुष्य के अनेक कृत्यों के कारण वातावरण प्रदूषित हो रहा है।

प्रदूषण के प्रकार –

वायु प्रदूषण – आज मानव गाड़ियों, बसों कारों, मोटरगाड़ियों का प्रयोग करता है जिससे निकलने वाली कारबन गई आक्साइक वातावरण को प्रदूषित करती है।

ध्वनि प्रदूषण – आजकल मानव ऊँची आवज में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग करते हैं जिससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है।

जल प्रदूषण :– कारखानो का गंदा पानी नदियो मे मिलने से वह प्रदूषित हो जाती है।

B S E

+

भाग पूर्व पृष्ठ

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रदूषण के समाधान :- पर्यावरण को दूषित होने से बचाने का सबसे कारगर तरीका है कि ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाएँ। अपने मित्रों को पड़ोसियों को पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। यहाँ वहाँ कचरा न फेंके। हर वर्ष एक वृक्ष अवश्य लगाएँ। वृक्ष से निकलने वाली आक्सीजन पर्यावरण के लिए लाभकारी होती है।

B
S
E

उपसंहार :- मनुष्य को यदि धरती पर जीवित रहना तो पर्यावरण को अवस्य सुरक्षित करना पड़ेगा। उसके लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने ~~होने~~ होंगे क्योंकि

वृक्ष धरा के भूषण हैं
करते दूर प्रदूषण हैं।